## प्रवेशिका प्रथम वर्ष

## तबला-परवावज

**पूर्णांक** :75, **न्यूनतम:** 26

**क्रियात्मक**: 60 **मौरिवक**:15

**शास्त्र(मौखिक रूपमें)**:

1) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा
   संगीत, नाद, स्वर, लय, बोल, ठेका, किस्म, कायदा, मुखडा, तिहाई, तिगुन, चौगुन, तुकडा
2) रूपक/तीव्रा तथा एकताल/आदिताल को बराबर तथा दुगुन में हाथ से ताली खाली दिखाकर बोलने की क्षमता
3) तबला/पखावज तथा उसके विभिन्न अंगो का वर्णन

**क्रियात्मक**:

1) रूपक/तीव्रा तथा एकताल/आदिताल को बराबर तथा दुगुन में बजाने की क्षमता
2) निम्नलिखित तालों में विस्तार

   **तबला**:

   त्रिताल: दो किस्म, धाती का एक कायदा, तथा तीन पलटे, तिहाई सहित दो मुखडे, दो तुकडे

   झपताल: 'तिट' का एक कायदा तीन पलटे, तिहाई, एक किस्म, एक टुकडा और सम से सम एक दो तिहाई

   पखावज: चौताल तथा सूलताल में दो-दो परने, एक रेला (4.4 पल्टों के साथ) तथा दो-दो समसे समतक तिहाइयाँ

**अंकपत्रिका**:

**सूचना**: 1) इस परीक्षा के लिए हर एक विद्यार्थी को 15 मिनिट का समय निर्धारित किया गया है|

2) इस परीक्षा से विद्यार्थियों को सभी वादन लहरा के साथ करना होगा|

3) पखावज के लिए पाठ्यक्रमानुसार पखावज के ताल पूछे जाएँगे|

| | | |
|---|---|---|
| 1) पाठ्यक्रम के ठेकों को दुगुन में बजाना | - | 10 अंक |
| 2) परिभाषा, तालों के ठेके हाथ पर ताल देकर पढना | - | 10 अंक |
| 3) दाये-बाए का वर्णन | - | 5 अंक |
| 4) त्रिताल में वादन | - | 25 अंक |
| 5) झपताल मे वादन | - | 20 अंक |
| 6) सामान्य प्रभाव | - | 5 अंक |

---------------

कुल = 75 अंक